राजस्थान विधान सभा की कार्यवाही का वृत्तान्त

अंक : 1] ग्यारहवीं विधान सभा के पहले सत्र का तीसरा दिवस [संख्या : 2

बुधवार,

6 जनवरी, 1999

राजस्थान विधान सभा की बैठक 11.00 बजे विधान सभा भवन, जयपुर में प्रारम्भ हुई।

(श्री भैरोंसिंह शेखावत अस्थायी अध्यक्ष, पदासीन)

मांग

विधायकों की सुरक्षा की मांग

श्री अध्यक्ष : जिन माननीय सदस्यों ने शपथ ग्रहण नहीं की है, पहले उनके शपथ ग्रहण का कार्यक्रम होगा। (व्यवधान)

श्री मोहम्मद माहिर आजाद (नगर) : अध्यक्ष महोदय, शपथ ग्रहण तो आप करा रहे हैं लेकिन विधायकों की सुरक्षा का सवाल उठता है कि आज मौजूदा सदन के सदस्य के ऊपर इस तरीके का मामला हो, रिवाल्वर लेकर लोग रात को चढ़ जाएं ... (व्यवधान) ..विधायकों को शपथ दिलाने की बात अलग है लेकिन सुरक्षा के बारे में आप क्या कर रहे हैं? (व्यवधान)

श्री देवीसिंह भाटी (कोलायत) : आज तक जो सदस्य शपथ ले चुके हैं उन सदस्यों की सुरक्षा (व्यवधान) –

एक माननीय सदस्य : विधायक पर हमला हुआ है। (व्यवधान)

श्री मोहम्मद माहिर आजाद : अध्यक्ष महोदय, यह एक दल विशेष के विधायक का मामला भी नहीं है, यह पूरे विधायकों का मामला है। (व्यवधान) आज एक के साथ हुआ है कल दूसरे के साथ भी हो सकता है, इसलिए मैं पहले आप से यह निवेदन करना चाहता हूं कि आप आसन पर विराजमान है, इसकी जांच हो। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य, एक बार बैठें।

श्री मोहम्मद माहिर आजाद : इस तरीके की पुनरावृत्ति अन्य किसी विधायक के साथ नहीं की जाए इसलिए मेरा निवेदन

(श्री मोहम्मद माहिर आजाद)

है कि शपथ दिलाने से पूर्व आपको इस मामले पर गम्भीरता से विचार करना चाहिये।

श्री अध्यक्ष : बैठिये, माननीय सदस्य।

श्री मोहम्मद माहिर आजाद : अध्यक्ष महोदय, यह एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है।

श्री अध्यक्ष : हां, मुद्दा है।

श्री मोहम्मद माहिर आजाद : आज विधायकों की सुरक्षा का सवाल है, एक विधायक का सवाल नहीं है, कल को किसी के साथ भी यह बात हो सकती है।

श्री अध्यक्ष : बैठिये, बैठिये।

श्री मोहम्मद माहिर आजाद : इसलिए विधायकों को शपथ दिलाने से कुछ नहीं चलेगा, पहले आपको इस मामले को गम्भीरता से लेना पड़ेगा। (व्यवधान) मैं पूरे सदन में जानकारी दे रहा हूं, इस सम्बन्ध में आप क्या कार्यवाही करने जा रहे हैं ?

श्री देवीसिंह भाटी : अध्यक्ष महोदय, जहां इस जिले का, प्रशासन का मुखिया रहता है पड़ोस में, एक ही दीवार है, जिला कलक्टर, उसकी गार्ड वहां पर लगी हुई है, चूरू से आने वाले माननीय सदस्य हैं उन पर 19-12 को पहले भी घर पर हमला हो चुका है। उसकी सूचना यहां राज्य सरकार को दे दी गयी। माननीय सदस्य ने मुख्य मंत्रीजी से मिलने के लिए पांच-छः बार समय मांगा सिर्फ इसलिए कि हमारी सुरक्षा की कोई स्थिति नहीं है, इस प्रकार के हमले हो रहे हैं, माननीय मुख्य मंत्रीजी ने आज तक समय नहीं दिया। अध्यक्ष महोदय, यह बड़ा गम्भीर विषय है। अध्यक्ष महोदय, कल हमने शपथ ली है, कोई मायने नहीं रखती। यदि आज भी चार माननीय सदस्य शपथ ले लेंगे उससे क्या हो जाएगा ? आज यह स्थिति है कि इनके दिमाग में सिर्फ यह है कि हमारे पास इतनी सदस्यों की संख्या है और सरकार हमारे हाथ में है, हम जो मन चाहे वह करेंगे। अध्यक्ष महोदय, नवीन यादव जिसने यहां पर शंकर यादव का मर्डर किया है, उसकी यह मजाल हो जाए कि ऐसे क्षेत्र में जहां माननीय सदस्य रहते हों, जिला प्रशासन का मुखिया रहता हो वहां पर पहले तो टेलीफोन पर धमकी दे कि हम आ रहे हैं। पुलिस को इत्तला कर दी गयी। उसके 20-25 मिनट बाद में पुलिस पहुंचती है। अध्यक्ष महोदय, यदि ऐसा माहौल रहा तो आज इस आसन से कैसे हम लोगों को संतुष्ट करेंगे कि माननीय सदस्यों की सुरक्षा की जिम्मेदारी इस सरकार की है, आसन इस प्रकार की व्यवस्था करेगा ? (व्यवधान)

श्री आर. पी. शर्मा (भरतपुर) : आपके राज्य में जिस तरह से माननीय विधायकों के साथ अत्याचार हुआ उसके बारे में बोलें, माननीय सदस्य। (व्यवधान)

श्री मोहम्मद माहिर आजाद : इसका मतलब आप भी करोगे क्या ? करना क्या चाहते हो ? (व्यवधान) शर्माजी, इसको राजनीतिक मुद्दा मत बनाओ, इसको राजनीतिक रंग मत दो। आज आपके साथ हुआ है कल दूसरे के साथ भी हो सकता है। (व्यवधान)

श्री आर. पी. शर्मा : विधायक से मतलब नहीं है, जनता के साथ जो अत्याचार हुए हैं (व्यवधान)

श्री मोहम्मद माहिर आजाद : यह कोई तर्क नहीं है कि आपके समय में चोरी हो गयी तो हम भी डाका डालेंगे। अध्यक्ष महोदय, एक महीने में तीन घटनाएं हो चुकी हैं। (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य : अध्यक्ष महोदय, बहुत दिन डाका डाला।

श्री अध्यक्ष : बैठिये। (व्यवधान)

श्री मोहम्मद माहिर आजाद : 17 तारीख को हुई, 19 तारीख को हुई और कल हुई, तीनों की सूचना दी जा चुकी है। थानेदार को पहले निलम्बित किया गया है उसके बाद भी सदस्यों की सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं की गयी।

डा. रामप्रताप (हनुमानगढ़) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य जो हुआ है उसको इस बात से जस्टिफाई करना चाहते हैं कि पहले ऐसा हुआ था इसलिए हम ऐसा करेंगे।

श्री अध्यक्ष : बैठिये।

श्री महेश जोशी (किशनपोल) : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं विपक्षी सदस्यों से निवेदन करना चाहता हूं कि अपनी हीन भावना को मन से निकालें।

श्री अध्यक्ष : अभी आप बैठ जाइये।

श्री महेश जोशी : अगर हमारे 150 का बहुमत है तो है ही है। अगर किसी प्रकार की किसी माननीय सदस्य के साथ कोई बात हुई है तो उसकी जांच के लिए कह सकते हैं। (व्यवधान)

श्री मोहम्मद माहिर आजाद : अध्यक्ष महोदय, यह बात मैंने पहले भी कही थी, हमने शासन से दरख्वास्त की है कि इसको राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाया जाए।

श्री महेश जोशी : अपनी हीन भावना को निकालिये।

श्री मोहम्मद माहिर आजाद : एक विधायक का सवाल है। यह सवाल पार्टी का नहीं है विधायक का है। विधायक सभी पार्टी के हैं। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये।

श्री आर. पी. शर्मा : माननीय अध्यक्ष महोदय, भरतसिंह जी की पिटाई हुई थी तब क्या हुआ था?

श्री मोहम्मद माहिर आजाद : इनके यहां होता रहा है, यह कोई जवाब नहीं है।

श्री महेश जोशी : आप गैरजिम्मेदाराना बात बोलेंगे तो हम भी सहन नहीं करेंगे। (व्यवधान)

श्री विजयेन्द्रपाल सिंह (आसीन्द) : आप किस हैसियत से बोल रहे हैं? हम तो मुख्य मंत्रीजी से जवाब चाहते हैं।

श्री महेश जोशी : आप अध्यक्ष महोदय को सम्बोधित करके बात कहिये, मैं भी अध्यक्ष महोदय को सम्बोधित कर के बात कह रहा हूं।

एक माननीय सदस्य : गैरजिम्मेदारी का जवाब मत दीजिये। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य, बैठिये आप। (व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र जोशी (बांदीकुई) : जनादेश है।

एक माननीय सदस्य : जनादेश इसलिए है क्या कि आप .. (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये। माननीय सदस्यगण, आज आपको ध्यान है....

श्री राजेन्द्र पारीक (सीकर) : जब माननीय सदस्य हाउस में इस तरह से करते हैं, आपकी प्रेरणा से ही गया है वह वहां पर।

श्री देवीसिंह भाटी : मैं उनके शब्दों को कह रहा था। नहीं, नहीं, मैं उनके शब्दों को कह रहा था कि हमारे पास 150 की संख्या है।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य बैठिये।

श्री देवीसिंह भाटी : यह माननीय सदस्य कह रहे थे, मैंने उनकी बात कही है कि हमारे पास 150 की संख्या है।

श्री शैलेन्द्र जोशी : यह अनपार्लियामेंन्ट्री है।

श्री देवीसिंह भाटी : मैंने कहा, यह ताकत मत बताओ।

श्री महेश जोशी : आपने जो कहा है उसको दोहरा रहा हूं मैं तो। (व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र जोशी : जनादेश का आदर कीजिये।

श्री महेश जोशी : अभी तक आप लोग जनादेश का विनम्रता से आदर करना नहीं सीखे है, यह आदत डालिये।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आज का बहुत ही गरिमापूर्ण समय है। हमें आज अध्यक्ष का चुनाव करना है और उसके पूर्व चार माननीय सदस्य, जिन्होंने इस सदन की शपथ ग्रहण नहीं की है उनको शपथ दिलानी है। इस अवसर पर मैं माननीय सदस्यों से कहना चाहूंगा कि आपने जो प्रश्न उठाया है, इस मामले में मुख्य मंत्रीजी से बात कर ली जाएगी। सरकार को सुबह सूचना भी दी है और आवश्यकता हुई और नये अध्यक्ष महोदय अनुमति दें तो उस सम्बन्ध में सरकार कोई वक्तव्य देना चाहे तो वक्तव्य भी दे सकेगी। अभी तक का जो नार्मल काम है वह चले तो ज्यादा अच्छा रहेगा। इसलिए मैं चाहूंगा कि माननीय सदस्यों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम हो जाए और उसके बाद अध्यक्ष का निर्वाचन हो जाए। अध्यक्ष इस आसन को ग्रहण कर लें। उसके बाद अगर वे अनुमति दें तो सरकार की ओर से इसकी जानकारी दे दी जाएगी।

श्री अशोक गहलोत (मुख्य मंत्री) : माननीय सदस्यों ने जो भावना व्यक्त की है, कोई दिक्कत नहीं है इसमें, सत्ता परिवर्तन होता रहता है, बहुमत और अल्पमत की बात नहीं, माननीय सदस्य जो इस सदन के सदस्य हैं, चाहे वे किसी पक्ष के हों उनकी सुरक्षा का पूरा-पूरा ध्यान रखा जाएगा। जो भी घटना हुई है उसके ऊपर हम कार्यवाही करेंगे।

श्री अध्यक्ष : शपथ ग्रहण।

शपथ अथवा प्रतिज्ञान

नव-निर्वाचित सदस्यों द्वारा शपथ ग्रहण/प्रतिज्ञान

(सचिव, विधान सभा द्वारा नाम पुकारे जाने पर माननीय सदस्यों ने उनके नाम के आगे अंकित भाषा में शपथ ग्रहण की/प्रतिज्ञान किया)

क्र. स.	सदस्य का नाम	शपथ/प्रतिज्ञान	भाषा
1.	श्री नरेन्द्र सिंह भाटी	शपथ	हिन्दी
2.	श्री माधव सिंह दीवान	प्रतिज्ञान	हिन्दी
3.	श्री श्रवण कुमार	अनुपस्थित	–
4.	श्री सुरेन्द्र व्यास	शपथ	हिन्दी

अध्यक्ष का निर्वाचन

श्री परसराम मदेरणा का अध्यक्ष पद पर निर्वाचन

श्री अध्यक्ष : श्री चन्दनमल बैद, विभाजन संख्या 38 प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

श्री चन्दनमल बैद (वित्त मंत्री) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि श्री परसराम मदेरणा (विभाजन संख्या 80), सदस्य, विधान सभा को अध्यक्ष निर्वाचित किया जाय।

श्री अध्यक्ष : श्री भंवरलाल शर्मा प्रस्ताव का अनुमोदन करेंगे।

श्री भंवरलाल शर्मा (हवामहल) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव का अनुमोदन करता हूं।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि जो प्रस्ताव श्री चन्दनमल बैद (विभाजन संख्या 38) ने प्रस्तुत किया है तथा जिसका अनुमोदन श्री भंवरलाल शर्मा (विभाजन संख्या 98) ने किया है उसको स्वीकार किया जाए ?

(स्वीकृत)

सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया।

(11.13 बजे)

(श्री परसराम मदेरणा, अध्यक्ष, पदासीन)

बधाई एवं आभार

श्री परसराम मदेरणा के अध्यक्ष निर्वाचन होने पर बधाई

श्री चन्दनमल बैद (वित्त मंत्री) : अध्यक्ष महोदय, इस शालीन पद पर आपका निर्वाचन होने पर मैं आपको हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं देता हूं और आपका अभिनन्दन करता हूं। अगर मैं यह कहूं कि इस पद पर आसीन होने पर इस पद की

(श्री चन्दनमल बैद)

गरिमा बढ़ी है, आपकी गरिमा नहीं बढ़ कर इस पद की गरिमा बढ़ी है तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। हमारे अध्यक्ष महोदय बहुत ही अनुभवी, विचारशील, अध्ययनशील और इस विधान सभा की प्रक्रियाओं से पूर्णतः परिचित हैं।

आप नवीं बार विधान सभा में जीत कर आये हैं, मैं समझता हूं बाली से निर्वाचित विधान सभा के सदस्य के अलावा यह इनका रिकार्ड है। आपके विचारों से चाहे आप सत्ता पक्ष में बैठे रहे हों, चाहे प्रतिपक्ष में नेता के रूप में या किसी दूसरे रूप में बैठे रहे हों, हमेशा इस विधान सभा में आपके अनुभवों, आपके अध्ययन, आपके ज्ञान और आपके विचारों से हम लाभान्वित होते रहे हैं। आप सत्ता पक्ष में रहे, विभिन्न विभागों के आप मंत्री रहे, आपने उन विभागों के कार्य संचालन में जो अनुभव की पुट दी, उनमें जो नई ऊंचाइयां स्थापित कीं, उनमें आपने जो मापदण्ड स्थापित किये, वे हमेशा विभाग के लोगों को ही नहीं, इस सरकार को याद रहेंगे और सरकार उन पर हमेशा चलती रहेगी। प्रतिपक्ष में भी जब आप बैठे, हर विषय पर आपने जो विचार प्रकट किये उनको हमने सुना है। आपके अध्ययन और आपके ज्ञान का हम लोगों ने फायदा उठाया है। आज मुझे इस बात की बड़ी खुशी है कि आप जैसे अनुभवी, आप जैसे ज्ञानी, अध्ययनशील और आप जैसे स्वच्छ छवि वाले–मैं यह भी कहना चाहूंगा कि इतने दिनों तक सत्ता पक्ष में रहने के बाद और प्रतिपक्ष में रहने के बाद भी आपके ऊपर आज तक कोई दाग नहीं लगा है, ऐसे स्वच्छ छवि वाले बेदाग व्यक्ति का इस पद पर आसीन होना हमारे लिए और इस विधान सभा के लिए बड़े सौभाग्य की बात है। मैं निःसंकोच इस बात को कह सकता हूं कि न केवल इस विधान सभा के योग्यतम अध्यक्ष आप साबित होंगे बल्कि सारे हिन्दुस्तान की जितनी भी विधान सभाएं हैं, उन सबके अध्यक्षों में भी आप योग्यतम अध्यक्ष साबित होंगे, इसमें मुझे कोई शंका नहीं है।

इस विधान सभा की एक परम्परा रही है। हम विधान सभा के चुनाव में एक दूसरे से लड़ते हैं, एक दूसरे के सामने होते हैं। इस विधान सभा में आने के बाद हम एक-दूसरे से स्नेह, आदर और प्रेम भाव के साथ मिलते हैं। परसों भी आपने देखा होगा, विधान सभा के सदस्य जब हमारे बाली से आने वाले माननीय सदस्य एवं अस्थाई अध्यक्ष से हाथ मिलाने जा रहे थे तो कई माननीय सदस्य उनसे गले मिल रहे थे। तो यह हमारी विधान सभा की एक परम्परा है। मैं समझता हूं कि आपकी अध्यक्षता में हमारी इस परम्परा को और भी बल मिलेगा और हम लोग भाइयों की तरह से बैठकर राजस्थान की जनता की भलाई के कामों में अपना विचार प्रकट करेंगे और भलाई का काम करेंगे।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं विधान सभा के सभी माननीय सदस्यों की तरफ से, खास तौर से मेरी पार्टी के सदस्यों की तरफ से कि आपके प्रति हमारा पूर्ण सहयोग रहेगा,

(श्री चन्दनमल बैद)

आपके आदेशों के प्रति रहेगा और हम आपके आदेशों का हमेशा पालन करेंगे। मैं इन्हीं शब्दों के साथ भगवान से प्रार्थना करता हूं कि आपका कार्यकाल खूब सफल हो, इस विधान सभा का महत्व और शालीनता बनी रहे, बढ़ती रहे और आपको भी इसका गौरव प्राप्त होता रहे। इन्हीं शब्दों के साथ एक बार फिर मैं आपको बधाई देता हूं और आपका अभिनन्दन करता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री भैरोंसिंह शेखावत (बाली) : अध्यक्ष महोदय, जिस पद पर आप आसीन हुए हैं उसके लिए मैं आपको बधाई देता हूं और इस बात की आशा करता हूं कि आपकी अध्यक्षता में इस सदन की गरिमा बढ़ेगी, माननीय सदस्यों के अधिकारों की सुरक्षा होगी। आप जिस प्रकार विपक्ष के नेता के रूप में कहते थे कि विपक्ष को कहना है, आसन को व्यवस्था देनी है और सरकार को करना है, इसी परम्परा के आधार पर इस सदन का आप संचालन करेंगे।

अध्यक्ष महोदय, आपके निर्वाचन से एक बात की खुशी है कि आपको विधान सभा का अनुभव है, आपको सरकार का अनुभव है और आपको विपक्ष में रहने का भी अनुभव है। इस प्रकार का अनुभवी व्यक्ति जब विधान सभा का अध्यक्ष बनता है तो इसमें किसी प्रकार का सन्देह नहीं रहता कि विधान सभा की गरिमा आपके हाथों में सुरक्षित नहीं रहेगी। मैं यह भी जानता हूं, अध्यक्ष महोदय, कि आपको केवल विधान सभा का ही नहीं, विधान सभा की सारी व्यवस्थाओं का पूरा अनुभव है। हमने कई बार आपके भाषण सुने हैं और उन भाषणों में इस बात को अच्छी तरह से देखा है कि आपके ज्ञान की परिधि केवल राजस्थान ही नहीं है, राजस्थान के बाहर भी है। साथ ही हाउस ऑफ कामन्स किस प्रकार से चलती है जिससे हमने प्रेरणा लेकर यह सारा ढांचा खड़ा किया है, उसका भी आपको बहुत ज्ञान है। उस ज्ञान के आधार पर हम सबको निश्चित रूप से विश्वास होता है, जो माननीय सदस्य इस सदन में आये हैं, कि आपके ज्ञान से हम सबको लाभ मिलेगा।

मैं यह भी निवेदन करना चाहूंगा कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य विधान सभा हो या लोक सभा हो, हमने जिस प्रकार से मर्यादाओं का उल्लंघन किया है उससे आम जनता में सदन के प्रति या अन्य सदनों के प्रति जिस प्रकार की श्रद्धा रहनी चाहिये, उसमें निरन्तर कमी आ रही है। मैं उस दृष्टि से आपको यह विश्वास दिलाता हूं कि हमारी ओर से इस सदन की गरिमा बनाये रखने में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहेगी। इसी के साथ मैं आपसे यह आशा करता हूं कि आप भी हमारे अधिकारों को पूरा संरक्षण देते हुए सदन की गरिमा किस प्रकार से रहे, उसका पूर्ण रूप से ध्यान रखेंगे। मुझे आशा है कि जिस पद को आपने ग्रहण किया है, निश्चित रूप से उस पद पर सफल होंगे और देश के लिए और राज्य के लिये विधान सभाओं में और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में किस प्रकार से काम

(श्री भैरोंसिंह शेखावत)

किया जाए इसका आपसे हम सबको मार्गदर्शन मिलेगा । इन्हीं शब्दों के साथ आपको धन्यवाद और बधाई देते हुए अपनी बात खतम करता हूं ।

श्री फतेह सिंह (कुशलगढ़) : अध्यक्ष महोदय आपके इस ग्यारहवीं विधान सभा के अध्यक्ष चुने जाने पर मैं अपनी तरफ से, जनता दल की तरफ से आपको बधाई देना चाहूंगा और यह उम्मीद करूंगा कि विधान सभा में माननीय सदस्य अपने क्षेत्र की कोई समस्या रखेंगे उस समस्या के ऊपर आप निर्णय देंगे, कोई सोच-विचार करेंगे और सदस्यों को विश्वास में लेकर काम करेंगे ।

अध्यक्ष महोदय, कभी-कभी विधान सभाओं में कई तरह की स्थितियां ऐसी पैदा होती हैं कि माननीय सदस्य आवेश में आकर विधान सभा की प्रक्रिया और नियमों से हटकर के भी काम करते हैं । अध्यक्ष महोदय, उसके ऊपर कोई अपना निर्णय लेते हैं तो मैं यह उम्मीद करूंगा कि आप सूझबूझ से काम करेंगे और हम सदस्यों को संरक्षण भी देंगे । सब तरफ से हमको सहयोग मिलेगा, यह मुझे उम्मीद है । मैं आशा करूंगा और आपके इस पद पर आसीन होने पर हमें विश्वास है कि विधान सभा की कार्यवाही सुचारू रूप से चलेगी । नियमों के अन्तर्गत चलेगी और हमें सहयोग मिलेगा । पुनः मैं आपके इस पद पर आसीन होने पर अपनी तरफ से बधाई देना चाहूंगा ।

श्री मोहम्मद माहिर आजाद (नगर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, ग्यारहवीं राजस्थान विधान सभा का अध्यक्ष सर्वसम्मति से निर्वाचित होने पर मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं । जितनी हमारी आयु भी नहीं, उतना आपको इस विधायिकी का अनुभव है । आप जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, सिंचाई, ऊर्जा, अकाल राहत जैसे महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री भी रहे । मुझे भी कुछ समय पब्लिक अकाउण्ट्स कमेटी में आपके साथ काम करने का मौका मिला है । यह पूरे विधान सभा के लिये और प्रदेशवासियों के लिये बड़े गौरव की बात है कि आप जैसा लम्बा अनुभव रखने वाला व्यक्ति आज ग्यारहवीं राजस्थान विधान सभा के अध्यक्ष पद पर आसीन हुआ है । मैं मेरी ओर से और मेरे दल की ओर से आपको इस अवसर पर बहुत-बहुत मुबारकबाद देना चाहता हूं ।

श्री जगमाल सिंह यादव (तिजारा) : अध्यक्ष महोदय, सदन का अध्यक्ष चुने जाने पर आपको मेरी तरफ से, राष्ट्रीय जनता दल की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं । आपके चुने जाने पर सदन का मान बढ़ा है । अध्यक्ष महोदय, लम्बे राजनीतिक जीवन में आप अपनी प्रशासनिक क्षमताएं सिद्ध कर चुके हैं । सर्वश्रेष्ठ न सही लेकिन श्रेष्ठ क्षमताएं हैं, अच्छे प्रशासक हैं । उम्मीद करूंगा कि सदन के माननीय सदस्यों के अधिकार, उनका मान-सम्मान आपके हाथ में सुरक्षित रहेगा । सदन को चलाने के लिये मैं एक मात्र राष्ट्रीय जनता दल का सदस्य, सदन का और आपका सहयोग करूंगा । पुनः आपको लाख-लाख बधाई, जय हिन्द ।

श्री नवल किशोर शर्मा (जयपुर ग्रामीण): अध्यक्ष महोदय, ग्यारहवीं विधान सभा के

(श्री नवल किशोर शर्मा)

पद पर आपका निर्वाचन हम सबसे लिये गौरव की बात है। आप जैसे सार्वजनिक जीवन में और प्रशासनिक स्तर पर योग्य और लम्बे जीवन राजनैतिक के एक व्यक्ति का इस पद पर आसीन होना हमारे लिये सौभाग्य की बात है। इसमें तो मुझे कोई शक नहीं कि आपका लम्बा अनुभव इस सदन की कार्य प्रणाली में योगदान देगा। लेकिन, अध्यक्ष महोदय, आज देश में प्रजातंत्र मूल्यों में गिरावट आ रही है यह चिंता का विषय है। इसकी रक्षा का दायित्व आप पर है। पिछले दिनों में देखने को मिला है, कि सदन की बैठकें निरन्तर कम होती जा रही हैं। सदन की बैठकें निरन्तर कम होना, यह प्रजातंत्र के लिये, लोकतंत्र के लिये अच्छा संकेत नहीं है। देश में आज पारदर्शिता की और संवेदनशील सरकार की बातें बहुत होती हैं और यह चिंता का विषय भी है। इस सबको आपके कुशल हाथों में हम गति दे सकते हैं, कुछ मूर्त्त रूप दे सकते हैं, ऐसा मैं मानता हूं। मैंने देखा कि सदन में तारांकित प्रश्नों, स्टार्ड और अनस्टार्ड क्वेश्चनों की संख्या निर्धारित की गई। एक ओर राइट ऑफ इनफोरमेशन की बात होती है और दूसरी ओर इनफोरमेशन लेने का जो सबसे उत्तम तरीका है प्रश्नकाल, इसको सीमा रेखाओं में बांधने की, खास तौर से अनस्टार्ड क्वेश्चन बांधने की जो कोशिश की जाती है, ये आपके विचारणीय विषय हैं। अगर हम लोगों की समस्याओं को, जन साधारण के सवालात को सदन में कारगर ढंग से उठा सकें, उसका मौका मिले और सरकार और प्रतिपक्ष दोनों मिलकर उन समस्याओं के निराकरण का रास्ता खोजें तो हम राजस्थान के लिए ही नहीं, देश के लिए भी एक रास्ता दिखा सकते हैं। सदन की परिस्थितियां भी ऐसी हैं, मुझे नहीं लगता कि हमारे काम में कोई व्यवधान आए, आपके काम में कोई व्यवधान आए। इस लिये मैं आपसे आग्रह करता हूं कि ये जो मुद्दे हैं यहां प्रक्रिया सम्बन्धी, इन पर पुनर्विचार किया जाए। कैसे यह सदन लोगों के सवालात को हल करने में प्रभावी भूमिका निभा सके, इसके लिये कुछ विचार हो तो आपके नेतृत्व में इस प्रदेश को ही नहीं देश को भी नई दिशा मिलेगी, ऐसी मैं आशा करता हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है और मेरी यह मान्यता है कि आपकी योग्यता और क्षमता और आपके प्रति जो लोगों का आदर है वह इन सब व्यवस्थाओं में थोड़े बहुत सुधार की दिशा में कारगर कदम उठाने में सहायक होगा। इन्हीं शब्दों के साथ मैं पुनः आपको हार्दिक बधाई देता हूं और आशा करता हूं कि आपका यह कार्यकाल एक लैंडमार्क होगा इस देश की संसदीय परम्पराओं में।

बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अरूण सिंह (डीग): अध्यक्ष महोदय, सात निर्दलीय विधायकों की ओर से, हम अल्पसंख्यक जरूर हैं पर हमारा आपके साथ पूरा कोआपरेशन रहेगा। जैसा मैंने कहा अल्पसंख्यक हैं तो हमें आप प्रोटेक्शन दीजिये और समय दीजिये। हमारी ओर मेरे साथियों की तरफ से आपको शुभ कामनाएं।

श्री शिवचरण माथुर (मांडलगढ़) : सम्माननीय अध्यक्ष महोदय, राजस्थान की

(श्री शिवचरण माथुर)

ग्यारहवीं विधान सभा के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से आपके निर्वाचित होने पर मैं आपको हृदय से बधाई देने के लिये खड़ा हुआ हूं। जैसाकि मेरे पूर्ववर्ती नेताओं ने यहां उल्लेखित किया, आपको एक लम्बे अरसे का सभी पक्षों का अनुभव है। मैंने तो बहुत नजदीक से आपके साथ काम किया है उस दृष्टि से मैं जानता हूं और अनुभव करता हूं कि हरेक प्रश्न पर तर्क की कसौटी पर खरा उतरने के बाद ही आप अपना निर्णय लेते हैं और उस निर्णय पर अनेक विपरीत परिस्थितियों में भी दृढ़ रहते हैं। आपके जैसे पद पर आसीन रहने वाले व्यक्ति के लिये यह गुण बहुत ही उपयुक्त है। आपके निर्वाचन में राजस्थान की इस विधान सभा ने श्रेष्ठतम व्यक्ति को स्थान दिया है और मैं ऐसा मानता हूं कि आपके नेतृत्व में राजस्थान विधान सभा का कार्य संचालन न केवल सफलता से चलेगा बल्कि कुछ कीर्तिमान भी आप स्थापित करेंगे।

अध्यक्ष महोदय, विधान सभा के जो सत्र होते हैं, अल्पकालिक होते हैं। यहां पर सदस्यों के द्वारा जो विचार व्यक्त किये जाते हैं वे बहुत कुछ राजनीति को लिये हुए और खास तौर से समाचार पत्रों में जो उनकी प्रतिक्रिया होती है उस दृष्टि को लेकर यहां पर वाद-विवाद होता है। लेकिन मैं ऐसा मानता हूं कि सदन की जो समितियां होती हैं उनका कार्य संचालन बहुत ही निष्पक्ष रूप से और राजनीति से परे हटकर चलाया जाता है। आपके नेतृत्व में मैं अपेक्षा करूंगा कि विधान सभा की समितियां जो निर्वाचित की जाएं, आपके द्वारा उनको कोई दिशा दी जानी चाहिए कि राजस्थान की विभिन्न समस्याओं के बारे में ये समितियां बहुत सुचारू रूप से काम करें, अच्छे सुझाव सदन को दें और राजस्थान की जनता को दें क्योंकि सदन का कार्य और प्रजातंत्र मूल रूप से समितियों के आधार पर चलता है। समितियों के अध्यक्ष के रूप में भी मैंने आपको देखा है, वहां पर भी जिस ढंग से आप उसका कार्य संचालन करते थे, अपने आप में अनूठा है। मैं उम्मीद करता हूं कि हमारा जो आने वाला पांच साल का कार्यकाल होगा इस विधान सभा का, वह आपके नेतृत्व में सम्पूर्ण रूप से सफल रहेगा और जैसा मैंने आपसे निवेदन किया कुछ कीर्तिमान स्थापित करेगा। इन्हीं शब्दों के साथ मैं शुभकामना प्रेषित करता हूं आपकी सफलता के लिये और आपके दीर्घायु होने के लिये और आपके इस पद पर आसीन होने पर अपनी ओर से बधाई प्रस्तुत करता हूं।

श्री विजयेन्द्रपाल सिंह (आसीन्द) : मुख्य मंत्री जी, बधाई नहीं देनी है क्या ?

श्री खेतसिंह राठौड़ (विधि मंत्री) : हाउस के नेता श्रीमान् चन्दनमल जी बैद हैं, उन्होंने दे दी, अब कोई इसकी आवश्यकता नहीं है।

श्री अशोक गहलोत (मुख्य मंत्री) : माननीय अध्यक्ष महोदय, वैसे तो सदन के नेता के रूप में बधाई दी जा चुकी है, उसके बावजूद भी सदन के सदस्यों की भावना का आदर करते हुए मैं अपनी ओर

(श्री अशोक गहलोत)

से, सदन के तमाम सदस्यों की ओर से आपके इस गरिमामय पद पर आसीन होने पर हार्दिक बधाई देता हूं। मेरे पूर्व वक्ताओं ने जो भावना प्रकट की है उसमें अपनी भावना मिलाते हुए इतना ही कहना चाहूंगा कि माननीय अध्यक्ष जी से एक ही क्षेत्र के होने के नाते व्यक्तिगत रूप से भी पच्चीस साल से मैं जुड़ा रहा हूं। इनके कार्य करने की शैली, इनकी कार्य-क्षमता, इनका लम्बा राजनीतिक जीवन, इनकी क्षमताएं, इनकी योग्यताएं, इसके बारे में मेरे पूर्व वक्ताओं ने जो बातें कहीं, मैं समझता हूं कि जितनी बातें हम कहें उतनी कम हैं। इनका जो चालीस साल का, पैंतालीस साल का राजनीतिक जीवन रहा है, मैं समझता हूं कि हमारे पास शब्द नहीं हैं कि किन शब्दों में उन बातों को प्रकट करें। चाहे वे सत्ता में रहे अथवा नहीं रहे, मैं समझता हूं हमेशा इनका योगदान राजस्थान के विकास में रहा और राजस्थान के बारे में इनका चिंतित होना हमेशा बना रहा। मैं व्यक्तिगत रूप से और आप सभी की ओर से माननीय अध्यक्षजी का हार्दिक स्वागत करता हूं और यह कामना करता हूं कि उनके रहते हुए जैसा कि पंडितजी ने कहा कि एक लैंडमार्क साबित होगा यह कार्यकाल, वही भावना प्रकट करता हुआ अपनी बात समाप्त करता हूं।

श्री परसराम मदेरणा, अध्यक्ष द्वारा आभार प्रदर्शन

श्री अध्यक्ष : मुख्य मंत्रीजी और सदन के सम्माननीय सदस्यगण, ग्यारहवीं विधान सभा में जन प्रतिनिधियों के रूप में आप चुनकर आये हैं, मैं सर्वप्रथम आपका हृदय से अभिवादन करता हूं। आज मुझे आपने ग्यारहवीं विधान सभा का सर्वानुमति से अध्यक्ष चुना है इसके लिये मैं आप सभी का अत्यन्त आभारी हूं। इस राजस्थान विधान सभा के प्रथम गठन से लेकर आज तक बहुत योग्य और विद्वान महानुभावों ने इस आसन को सुशोभित किया है और इस सदन में कुछ ही अपवादों को छोड़कर स्वस्थ परम्पराएं डालीं। वे परम्पराएं हिन्दुस्तान की अन्य विधान सभाओं के लिये प्रेरणास्पद भी रही हैं और इस सदन की डाली गयी परम्पराओं की राष्ट्र में सराहना भी की गयी है। इस सदन में आज मुझे जो निर्विरोध निर्वाचित किया है अध्यक्ष पद पर और जो आपने विश्वास व्यक्त किया है मुझमें, इस गरिमामय सदन के संचालन के अन्दर और इस सदन की कार्यवाही के संचालन में आपका विश्वास मेरे लिए एक निष्पक्ष संचालन का मार्ग-दर्शक होगा। इस सदन की गरिमा को सर्वोपरि मानकर मैं इस बात का अनवरत प्रयत्न करूंगा, तत्पर रहूंगा और उस पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा। माननीय सदस्यगण को मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि सदन का संचालन एक अध्यक्ष का दायित्व है उसके निर्वहन में पूर्णतया निष्पक्ष रहूंगा। आप जनता के प्रतिनिधि हैं और जनहित के अनेकों मुद्दे वाद-विवाद और चर्चाओं में यहां पर उठाये जाते हैं। इस विधान सभा में जो मुद्दे उठाये जाते हैं वे इस देश की, इस प्रान्त की लाखों और करोड़ों जनता के साथ में जुड़े हुए हैं। कभी-कभी इस सदन

(श्री अध्यक्ष)

में उत्तेजना के क्षण भी होते हैं लेकिन हमारा व्यवहार सदन में संयत और अति मर्यादित होना चाहिए। ग्यारहवीं विधान सभा में काफी बड़ी संख्या में सम्माननीय सदस्य प्रथम बार चुनकर आये हैं, मेरा उनसे विनम्र अनुरोध है कि इस सदन के कार्य-संचालन में भारतीय संविधान के जो अनुच्छेद हैं और अनुच्छेद 208 के अन्तर्गत जो प्रक्रिया और कार्य संचालन सम्बन्धी नियम हैं उनका आप गहन अध्ययन करने की कृपा करें। विधान सभा का एक निश्चित समय होता है प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से लेकर 5 बजे तक, इस 6 घंटे की अवधि में मेरा आपसे यह अनुरोध है कि अधिक से अधिक सदस्य विधान सभा की कार्यवाही में भाग ले सकें और अपने विचार सदन में रख सकें, आपके भाषण संक्षिप्त और सारगर्भित होने चाहिए। सदन के सभी माननीय सदस्यों से मैं सहयोग की अपेक्षा करता हूं और पुनः एक बार सर्वसम्मति से जो आपने मुझे दायित्व दिया है, सुपुर्द किया है उसके लिए आपको धन्यवाद देता हूं।

दलीय स्थिति

सदन के नेता का मनोनयन

मुझे माननीय सदस्यों को सूचित करना है कि श्री अशोक गहलोत, मुख्य मंत्री, राजस्थान ने ग्यारहवीं विधान सभा के प्रथम सत्र के लिए श्री चन्दनमल बैद, वित्त मंत्री को सदन के नेता के रूप में कार्य करने हेतु मनोनीत किया है।

सदन की कार्यवाही प्रारम्भ होने के पूर्व प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों ने इस सदन के चूरू से आने वाले माननीय सदस्य की सुरक्षा के सम्बन्ध में एक प्रश्न उठाया। मैं उनको शासन की तरफ से आश्वस्त करता हूं कि उनको सुरक्षा प्रदान की जाएगी और जो घटना घटी है उसके सम्बन्ध में और किसी दिन सरकार की ओर से वक्तव्य दिया जाना चाहिए।

सदन की कार्यवाही शुक्रवार, 8 जनवरी को प्रातः 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की कार्यवाही 11.47 बजे शुक्रवार, 8 जनवरी, 1999 के 11.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई)